

प्रषक,

सुशांत पटनायक  
अपर सचिव  
उत्तराखण्ड शासन.

सेवा में,

अपर प्रमुख वन संरक्षक  
नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन  
उत्तराखण्ड, देहरादून.

वन एवं पर्यावरण अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक 15 नवम्बर, 2010

विषय:- अनुदान सं०-27 के आयोजनागत पक्ष की योजना "उत्तरांचल राज्य जैव विविधता बोर्ड को सहायता" हेतु वर्ष 2010-11 में वित्तीय स्वीकृति.

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-नि०-535/3-5 दिनांक 11 सितम्बर, 2010 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वन विभाग के अन्तर्गत संचालित "वाइल्ड लाइफ बोर्ड को सहायता" योजना से उत्तरांचल राज्य जैव विविधता बोर्ड हेतु संलग्न बी०एम०-15 प्रापत्र पर अंकित विवरणानुसार ₹ 49,99,000/- का पुनर्विनियोग सहित चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 हेतु ₹ 50,00,000/- (₹ पचास लाख मात्र) की धनराशि निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन व्यय करने हेतु आपके निवर्तन पर रखे की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. उक्त धनराशि वर्णित योजना हेतु सक्षम स्तर से अनुमोदित कार्ययोजनान्तर्गत स्वीकृत कार्यों/मदों पर ही व्यय किया जाय और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग अन्य कार्यों के क्रियान्वयन के लिए न किया जाय.
2. सेवानिवृत्ति उपरान्त पुनर्विनियोज होने वाले व्यक्तियों के वेतन निर्धारण हेतु सामान्य वित्तीय नियम के अन्तर्गत अन्तिम वेतन से पेंशन घटाए जाने की व्यवस्था को अपनाया जायेगा.
3. कार्ययोजना/कार्यों तथा व्यय के मदों के निर्धारण के समय मितव्ययता एवं व्यावहारिकता पर विशेष ध्यान दिया जाये.
4. जिन कार्यों हेतु एवं जिस सीमा तक अन्य स्रोतों से व्यय हेतु संसाधनों की व्यवस्था सम्भव है उसे उन स्रोतों से ही यथासम्भव वहन किया जाय.
5. उक्त स्वीकृति ध्येय चालू योजनाओं पर ही किया जाये और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए न किया जाय तथा विभिन्न मदों में व्यय से पूर्व वित्त अनुभाग-1 के शासनादेश सं०-187/XXVII(1)/2010, दिनांक 30 मार्च, 2010 द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुसार सक्षम स्तर की अनुमति/यथास्थिति शासन का अनुमोदन प्राप्त कर ही किया जाय. शासन द्वारा वांछित सूचनाएँ एवं विवरण निर्धारण प्रारूप व समयबद्ध आधार पर शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1(वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1(लेखा नियम), आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल), उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्टोरमेंट) नियमावली, 2008, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय.
6. यह सञ्ज्ञान में आया है कि धनराशि विभागाध्यक्षों के निवर्तन पर रखने के उपरान्त भी विभागाध्यक्षों द्वारा वह धनराशि आहरण वितरण अधिकारियों के निवर्तन पर नहीं रखी जाती है, जिससे क्षेत्रीय स्तर पर व्यय हेतु धनराशि उपलब्ध नहीं होती है. अतः आपके निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि आहरण वितरण अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाय, जिससे की फील्ड स्तर पर बजट उपलब्ध न होने की स्थिति उत्पन्न न हो, परन्तु यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि धनराशि का आहरण वास्तविक मांग आधार पर किस्तों में किया जाय.
7. आहरण वितरण अधिकारियों तथा कोषाधिकारियों को अवमुक्त धनराशि का विवरण बी०एम०-17 पर प्रत्येक माह प्रशासनिक विभाग एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाना आवश्यक एवं अनिवार्य होगा.
8. मितव्ययता के सम्बन्ध में नियमों का कड़ाई से पालन किया जाय.
9. अनुदान के अन्तर्गत होने वाली सम्भावित व्यय की फेजिंग (त्रैमास के आधार पर) प्रशासनिक विभाग एवं वित्त विभाग कराया जाना आवश्यक एवं अनिवार्य होगा, जिससे की राज्य स्तर पर कैश-प्लो निर्धारित किये जाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो.
10. बी०एम०-13 पर नियमित रूप से प्रशासकीय विभाग एवं वित्त विभाग को विलम्बतम 20 तारिख तक पूर्ण माह की सूचना उपलब्ध कराई जाय.

क्रमशः.....2



11. मानक मदों के आहरण प्रणाली के सम्बन्ध में शासनादेश सं०-ब-06/X-2-2010-12(11)/2009 दिनांक 31 मार्च, 2010 द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशानुसार कार्यवाही की जायेगी।
  12. योजनाओं की विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों एवं आदेशों के अनुसार ही किया जाये तथा जहां आवश्यकता हो सक्षम अधिकारी/शासन की पूर्व सहमति/स्वीकृति ली जाय।
  13. स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र महालेखाकार एवं शासन के वित्त विभाग को वर्षान्त तक अवश्य उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।
  14. अप्रयुक्त धनराशि बजट मैनुअल के प्रावधानों के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
  15. विभागाध्यक्ष द्वारा वर्ष के प्रारम्भ में तथा हर माह की 10 तारीख तक वित्त एवं नियोजन विभाग को केन्द्र सहायित/बाह्य सहायित योजनाओं में अनुमोदित परियोजना के सापेक्ष केन्द्रांश की धनराशि तथा केन्द्र सरकार से प्राप्त हुई धनराशि का विवरण उपलब्ध कराएंगे। उक्त सूचना के अभाव में वित्तीय अधिकारों पर रोक लगा दी जायेगी। केन्द्र सरकार से प्राप्त होने वाले अवशेष धनराशि का विवरण भी प्रतिमाह उपलब्ध कराया जायेगा।
  16. यह वित्तीय स्वीकृति इस शर्त/प्रतिबन्ध के अधीन भी है कि चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में अगली वित्तीय स्वीकृति तभी निर्गत की जायेगी, जबकि निर्गत की जा रही वित्तीय स्वीकृति का उपयोगिता प्रमाण पत्र एवं प्रत्येक योजना के सम्बन्ध में स्टेटस रिपोर्ट अर्थात् योजना कब प्रारम्भ की गई, कितने वर्षों के लिए योजना है, योजना का भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य कितना है तथा लक्षित योजना के सापेक्ष कितना भौतिक लक्ष्य अभी प्राप्त हो चुका है एवं कितना शेष है, आदि के सम्बन्ध में विस्तृत विवरण शासन को उपलब्ध कराया जायेगा तथा यह भी कि गत वित्तीय वर्ष 2009-10 में निर्गत की गई समस्त वित्तीय स्वीकृतियों के सापेक्ष उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा।
  17. योजना में अग्रेष्ठ वित्तीय स्वीकृति/धनराशि अवमुक्त तभी की जायेगी जब सम्पूर्ण परियोजना/कार्ययोजना मय योजना अवधि, कुल लागत, वर्षवार भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य, outcome/impact के लक्ष्य/अनुमान, चयनित कार्यों का विवरण आधार पर तैयार की गई रिपोर्ट/प्रस्ताव पर सक्षम स्तर से अनुमोदन प्राप्त कर लिया गया हो।
2. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्ययक अनुदान सं०-27 के लेखाशीर्षक 2406-बानिकी तथा वन्य जीवन 01-बानिकी 110-वन्य जीवन परिरक्षण 03-00-वार्ल्ड लाईफ बोर्ड को सहायता की मानक मद 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा-

(धनराशि ₹ हजार में)

मानक मद	आय-व्ययक प्रावधान	वर्तमान वित्तीय स्वीकृति	अभ्युक्ति (संलग्न बी०एम०-15 पर उल्लिखित पुनर्विनियोग के प्रस्ताव सहित)
1	2	3	4
20- सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	1	5000	(+) 4999 पुनर्विनियोग
<b>योग</b>	<b>1</b>	<b>5000</b>	

(वर्तमान वित्तीय स्वीकृति ₹ पचास लाख मात्र)

3. ये आदेश वित्त विभाग के अ०शा० सं०-299(P)/XXVII(1)/2010, दिनांक 09 नवम्बर, 2010 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय  
(सुशान्त पटनायक)  
अपर सचिव

संख्या-311 (1)/X-2-2010, तदुद्दिनांकित.

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार(लेखा एवं लेखा परीक्षा), उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, माजरा, देहरादून.
2. महालेखाकार(आडिट), उत्तराखण्ड, वैभव पैलस, सी-1/105, इन्दिरानगर, देहरादून.
3. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड, देहरादून.
4. मुख्य वन संरक्षक, अनुश्रवण, मूल्यांकन तथा लेखा परीक्षा, उत्तराखण्ड, देहरादून.
5. मुख्य वन संरक्षक, सर्तकता एवं कानून प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड, देहरादून.
6. अध्यक्ष/सदस्य सचिव, उत्तरांचल राज्य जैव विविधता बोर्ड, देहरादून.
7. सचिव, नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून.
8. अपर सचिव, वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून.
9. आयुक्त, कुमाऊ/गढ़वाल मण्डल.
10. सम्बन्धित जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड.
11. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, देहरादून.
12. सम्बन्धित मुख्य/वरिष्ठ/सम्बन्धित कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड.
13. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय, देहरादून.
14. प्रभारी, एन.आई.सी., उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून.
15. प्रभारी, मीडिया सेन्टर, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून.
16. गार्ड फाइल.

आज्ञा से,  
(सुशांत पटनायक)  
अपर सचिव



पुनर्विनियोग विवरण पत्र 2010-11

नियंत्रक अधिकारी-अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड

अनुदान संख्या-27 राजस्व लेखा

आयोजनागत

(धनराशि ₹ हजार में)

क्रम सं०	बजट प्राविधान तथा लेखा शीर्षक का विवरण	मानक मदवार अद्यावधिक व्यय	वित्तीय वर्ष की शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष (सरप्लस) धनराशि	लेखा शीर्षक जिसमें धनराशि स्थानान्तरित किया जाना है	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ-5 की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ-1 में अवशेष धनराशि	टिप्पणी	
1-	2406-वानिको तथा वन्य जीव 01-वानिको 102-समाज तथा फार्मा 1-वानिको 04-बांस प्रजातियों का रोपण	1	2	3	4	5	6	7	8
	20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	20000	8265	6736	4999	4999	5000	15001	क-जैव विविधता बोर्ड का संचालनीकरण प्रस्तावित था. इसलिये प्रश्नगत योजना से बचत की गयी है. ख-जैव विविधता बोर्ड को सहायता दी जानी आवश्यक है.
योग	20000	8265	6736	4999	4999	5000	15001		

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त पुनर्विनियोग से बजट मैनुअल के प्रस्तर 150, 151, 155 एवं 156 में उल्लिखित प्रावधानों का उल्लंघन नहीं होता है.

(सुशांत पटनायक)

अपर सचिव

उत्तराखण्ड शासन

वित्त अनुभाग-4

संख्या- 2401-1 /XXVII(4)/2010 दिनांक 01 अक्टूबर, 2010

पुनर्विनियोग स्वीकृत

(एमएसओ जोशी)

अपर सचिव (वित्त)

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाही हेतु प्रेषित-

1. महालेखाकार (लेखा एवं लेखा परीक्षा), उत्तराखण्ड, देहरादून.
2. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड, देहरादून.
3. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड, देहरादून.
4. सम्बन्धित कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड.
5. अपर सचिव, वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून.

आज्ञा से,

(सुशास्त्र पटनायक)

अपर सचिव